



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| दैनिक भास्कर       | 19-10-22 | 4            | 1-4  |

### • एप्लीकेशन से एक क्लिक पर मिलेगी नवजात शिशुओं की देखभाल और उनके पोषण संबंधित जानकारी एचएयू के वैज्ञानिकों को शिशुओं के पालन-पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) की तरफ से कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की तरफ रुख करते हैं। मगर बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया है



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा व अन्य।

जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए एचएयू की छात्रा समानता बिश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह

सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व आविष्कारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में ऐसी कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हें बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

यहां मिलेगी शैक्षिक सामग्री

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गत्यात्मक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, खिलौने और आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा; मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| पंजाब कसरी         | 19-10-22 | 4            | 3-4  |



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समानता बिश्नोई व अन्य।

शिशुओं के पालन पोषण के लिए...

### हकूवि को विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

हिसार, 18 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इंडिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु

की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता बिश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढोंगड़ा, डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विनोद कुमार उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि इससे पूर्व हकूवि की छात्रा पूनम यादव को भी गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया जा चुका है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| हरि. भूमि          | 19-10-22 | 10           | 2-5  |

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नाम एक और उपलब्धि

# शिशुओं के पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

हरिमूमि न्यूज हिंसा



हिंसा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समानता बिश्नोई व अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इंडिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु बच्चों की परवरिश

से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती

है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता बिश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

### शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गत्यात्मक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, खिलौने और आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल दीग्ड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक सम्पदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार तथा डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| उमर 35111          | 19-10-22 | 4            | 4-5  |

### एचएयू : शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट ✓



सर्टिफिकेट दिखाते एचएयू के कुलपति प्रो.बीआर कांबोज। संवाद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इंडिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्रा समानता बिरनोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में

### नवजात शिशुओं की देखभाल, पोषण कपड़े, स्वास्थ्य से संबंधित सामग्री मोबाइल एप के माध्यम से दी जाएगी

शारीरिक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, खिलौने और आम मिथक जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है।

भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल एप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल वींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|--------|--------------|------|
| दैनिक जागरण        |        |              |      |

### विज्ञानियों को शिशुओं के पालन पोषण के लिए मिला कापीराइट

जागरण संग्रहदाता, हिंसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार आफ कापीराइट (इंडिया) द्वारा कापीराइट प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल एप की ओर रुख करते हैं। मगर बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश एप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। डा. मंजू महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारों शामिल हैं।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| अजीत समाचार        | 19.10.22 | 6            | 3-5  |

## हकूत के वैज्ञानिकों द्वारा शिशुओं के पालन पोषण हेतु विकसित शैक्षणिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समानता बिश्नोई व अन्य।

हिसार, 18 अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षणिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षणिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त

परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करना पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने

कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता बिश्नोई ने डॉ. पुनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षणिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

कुलपति ने इस शैक्षणिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अविष्कारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में ऐसी कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हें बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| दैनिक हिन्दू       | 19-10-22 | 3            | 3-4  |

### शिशुओं के पालन पोषण की शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

हिसार, 18 अक्टूबर (जिस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने यह जानकारी देते

हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है, क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं, परन्तु बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| पांच बजे           | 19.10.22 | ----         | ---- |

# हकृवि वैज्ञानिकों ने शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित की शैक्षिक सामग्री, मिला कॉपीराइट

पांच बजे व्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं परिवारिक अध्ययन विभाग ने शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रिकॉम्प्यूटर ऑन कॉपीराइट (इपिडिया) ड्राफ्ट कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री को बहुत आवश्यकता है क्योंकि संकुल परिवार तैयारी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों को देखभाल स्वयं करना पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप को अपेक्षा करते हैं। परन्तु बच्चों को पर्याप्त से संबंधित अधिकता ऐप



अपेक्षाएं हैं और इन परिस्थितियों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जहाँ भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी

बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने

के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्र समन्वय विद्यार्थी ने डॉ. पुनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं को प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अतिक्रमों की सहायता से किस्मों व आवेदन के नाम के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में ऐसे कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हें वैश्विक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह

विद्यालय विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंगु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गत्यात्मक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, स्थानों और आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विद्यार्थियों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी।

इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल शींगड़, मीडिया एक्जिक्यूटिव डॉ. संदीप आर्य, वैश्विक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पुनम मलिक उपस्थित रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समूचाार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------|----------|--------------|------|
| चिराग टाइम्स        | 18.10.22 | ----         | ---- |

### तेजी से खत्म होते जा रहे हैं संयुक्त परिवार : प्रो. काम्बोज

**हकृति के वैज्ञानिकों द्वारा शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट**



**चिराग टाइम्स न्यूज**  
हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अभ्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों को

देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका सहायण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को

पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा सपानता विश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।  
कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अधिकारों

की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में ऐसी कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हें वीडियो संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।  
**शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध :** मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गत्यात्मक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, छिल्लीने और आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है।  
इस अयम पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल डींगड़, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, वीडियो संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| हिन्दुस्थान समाचार | 18.10.22 | ----         | ---- |

## | हिसार: शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

18 Oct 2022 19:04:46



हिसार, 18 अक्टूबर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ज्ञानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इंडिया) की ओर से कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने मंगलवार को बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु बच्चों की परिवार से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की उच्च समानता विश्वीय डॉ. पूनम शक्ति के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। ज्ञानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशक एवं वृहत् विज्ञान महाविद्यालय की अधिकाता डॉ. मंजू महरा ने बताया कि उस शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गन्धान्मक, ज्ञानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, बिलौने और आम शिथिल आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। अतिरिक्त यह सामग्री एक सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल डीगड़ा, मौखिया एडवाइजर डॉ. संदीप जाय, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम शक्ति उपस्थित रहे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

18  
हि  
एक  
सा  
  
18  
हि  
एक  
सा  
  
18  
हि  
एक  
सा





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| सिटी प्लस          | 18.10.22 | ----         | ---- |

## शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

सिटी प्लस न्यूज, हिंसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समानता बिस्नोई व अन्य

प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता बिस्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के

विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है।

कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के

लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. अतुल द्वीगढ़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| समस्त हरियाणा      | 18.10.22 | ----         | ---- |

## हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

समस्त हरियाणा न्यून हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की

जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को

शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने



माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी. आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अधिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु बच्चों की परिवार से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका चलाचरण और उनकी

पूर करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्र समानता बिरनोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अविष्कारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में ऐसी कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हें बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गत्यात्मक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के चारों में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, खिलौने और आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।